an>

Title :Need to desilt river Gandak in Gopalganj Parliamentary Constituency, Bihar.

श्री जनक राम (गोपालगंज) : मेरे संसदीय क्षेत्र गोपालगंज (बिहार) में अहिरौली दोन से गोपालगंज बेतिया महासेतु तक बांध, जो अभिप्रक्रिया में है, अगर इस बांध का निर्माण समय से पहले नहीं होता है तो लगभग 30 से 40 गांव बाढ़ की भयावह स्थिति का सामना करेंगे तथा 150000 लाख से अधिक लोग प्रभावित होंगे। मैं माननीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा जीर्णोद्धार मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि पिछले कई वर्षों से मेरे गोपालगंज जिले में बाढ़ एवं कटाव से लगभग 15 से 20 हजार घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। लोगों को काफी परेशानी हो रही है। बाढ़ एवं कटाव से लोगों के पास रहने के लिए जमीनें नहीं बची हैं। किसी तरह पलायन कर नहर की पटरी पर गुजर-बसर कर रहे हैं।

किसानों के लिए नदी का मैदानी भाग काफी उपजाऊ होता है। मैदानी भाग में किसान गन्ने लगाते हैं एवं अनेक फसल को उपजाते हैं, उसका बाढ़ और कटाव से भारी मात्रा में नुकसान हो जाता है। इस प्रकार की भरपाई के लिए कोई पॉलिसी नहीं है। कृषि योग्य भूमि का बड़े क्षेत्र में लाखों का नुकसान होता है। खाने-पीने के भी लाले पड़े हुए हैं, गंडक नदी लाखों एकड़ में जमीन निगल गई है तथा प्रत्येक वर्ष भयंकर बाढ़ एवं कटाव से लोगों को भारी क्षति हो रही है।

मैं माननीय प्रधानमंत्री और जल संसाधन, नदी विकास और गंगा जीर्णोद्धार मंत्री जी, भारत सरकार से प्रार्थना करता हूं कि गोपालगंज जिले में गंडक नदी में भारी मात्रा में गाद (सिल्ट) है, जिसका बाढ़ एवं कटाव मुख्य कारण है। बाल्मीकि नगर से सोनपुर तक पाइलट चैनल के माध्यम से नदी के सिल्टेशन को घटाया जाये।